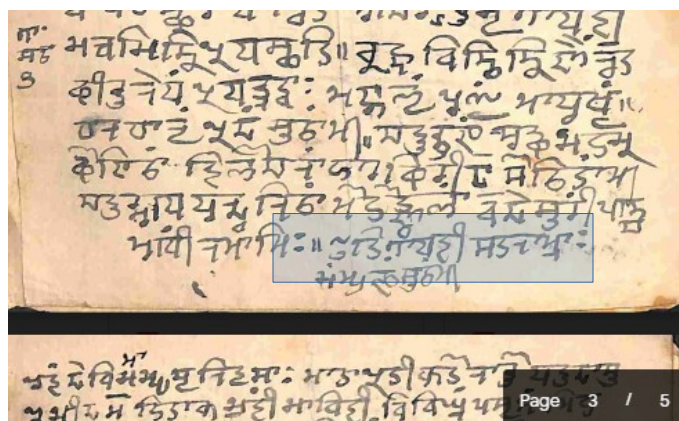
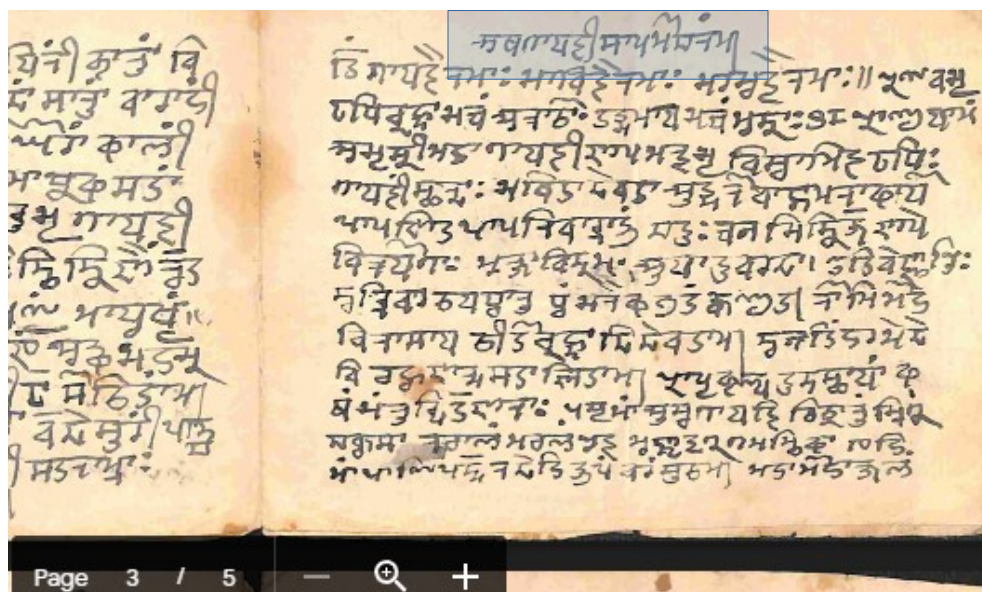
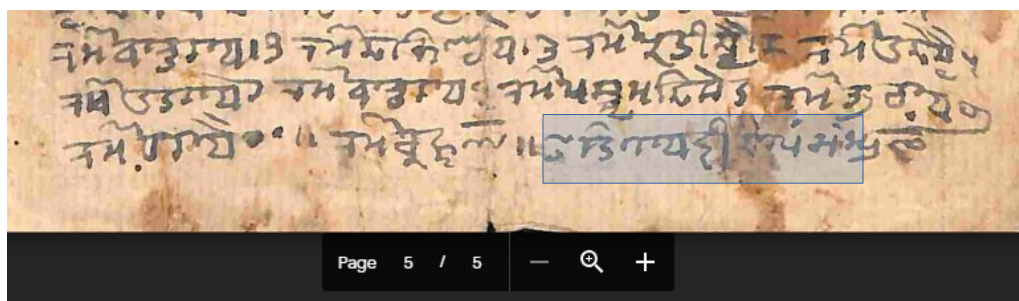


Gayathri MantraGayathri Shapa MochanamGayathri Japam

हिनो  
मग

ति मीमडः नायइमे नमिमाः मयन मुही नमः  
मगमग मगइ न लयलेल विणयिनी देव न भ  
उं वरु भुवेममिगलं गडाः ० नायही कुरु विरु  
विमिषु गडिम विनी रूय कल्युडं निडं ठीम  
कल्लर रम ॥ ३ ॥ म्मी वेसु नां मन्नी विरुडुपं  
मडेडकं सुहं रूय मयी ननुः मयकुडं वरुयिनी  
३ नाययल हसमुडं कुडं न राननी मिदम ॥ ३ ॥  
३ नाययल हसमुडं कुडं न राननी मिदम ॥ ३ ॥  
भाडेमुगी सेवी रूय ली रूय वडुल वरुम दिप  
सं ठीम कुडवः सुमयी पंगु सुमडं सुमिडं  
मुडं मुडं विमिमा मगमग मगमग न न ननीरुवी

ग.  
सुड

८८ सुभाभमुडं सडचकुं मपुडमुं धसुडं  
 पाभसुगी भचकामसुपं सुनं कुवसुन डिडागि  
 ली १ सगसग रानसुही भाविही ठडि वडुलां  
 भगभुग नडं भव भगभुगवग चिडंभा ३ ॥  
 रडुडं पं भडुपं स हिपुमगि वडि सुवं भा भड  
 भायं भडलकी भडकुड निष विडाभा ० म  
 वडुड हससुडं मपुभापं पुमादिनी भड  
 मजल मपुमुं भडकुडि भमपुठभा ०० म  
 डा नगपिली सुभं वडु नमु पडि सिडं  
 सुपागने भंभग. भागभुग पुडगिली सुडं  
 गिली भवसुपा नं भव पडि विव गिली ०० ड

पडुडं भवसुडं वेसुवी विपु पुडिडाभा ०९  
 भेभुः गेसी भडकी भं गकुपी डं मिडं मिडं  
 भा भेडिली डपिली भायं सडवेसनिष वि  
 डाभा ०३ सडचकुं रकुडुं वडुभासिडं  
 सुठंभा भडम नयनं पुडं पाचडी पवडा  
 लयभा ०८ भडायेगी सुगी गेगी भडावगी  
 सुगी पंगभा सवुडं वडुडुपं स पडुमुं पडु  
 कुचिडाभा ०५ नगठाल सिडं सी सडुमुं  
 भेभ भविठंभा भगभुगी विमु लकी मग  
 स भडुडं सिडंभा ०० मिडि स भेभ भडुमी

गं  
मह  
३

नयनं हयकुपिडं ॥ उभा कः हयिनी कृतं वि  
कः ठयनमिनी ०१ ठेग मेक पूरं सानु वगदी  
कपिलं पूवं नगमि डी भडा ॥ काली  
कालिविनेमिनी ०३ उरं नभा पूरु मडा  
यपठ मुजय विड ममिगुतु म गायही  
भवमिदि पूयमुडि ॥ वृद्ध विदिदि दिरै नु  
कीतु नेय पूयड्डः भद्रलं पूलं भायुवं ॥  
उरं उरं पूरु सुठभा ॥ मडुदुरं मुक भडुम  
कौरिं हिले मं नं कग केरी उ मेठिडाभा  
मडुदुयययु निठ भेडै कल वरे मुगी पातु  
भायी नभा मिः ॥ उडि गायही मडनभाः  
संभुल सुठभा

सवगायही मयभेसनं ॥  
डि गायहे नभाः भगवहे नभाः भगमुहे नभाः ॥ पूरवभु  
उपिबुद्ध भवं मत्रठे उडुभाय भवं भुमूः ३८ पूरु यभं  
ममुमी भडा गायही रूप भडुमु विमुगभिह उपिः  
गायही मुद्रः भविडा देवडा मुद्र नै यद्र भन काय  
भापलिउ पापनिवडाउ मडुः चन मिमिऊ राये  
विनयेनः भऊ विद्रुम सुय उवम ॥ उडि वेद्रु मिः  
रुद्रिका ठयमुतु पुं भन कडुतं कालडा नै मिभेड  
विनासाय छी उ वृद्ध दि देवडाभा मुनडिं डभेरे  
वि वृद्ध दम मडा लिडाभा पूरु कल्य उरमुयं क  
षं भंनु दि उरनः ५४ भं मुमुगायदि रिह उ मि  
मकुमा नराल भरल गड भुद्र उर मभिक लडि  
भं पा लिपद्र नरेडि उय वं सुठभा भडा भेडा डल



ग  
म  
प  
६

मालां मिगमि शाला यथां तिकारं प्रवमसुदं वृद्धतेभु  
प्रउगभा गायत्री ५०० ववराते राप देव भगवतः समहि  
कृदयगिड मडनय गगुडभा हियुगउ मडमेन गायत्री  
उति कि लिधम ममुमी उदक लु भउमु वृद्धं गायत्री  
वेमभाउ देवडा मरुदुदुदे ये विनयीतः ॥ उं कुदुवः मुं  
दंभाः मदे भुडा मवमः विमदुलं कुमकुलं रापडे  
णीः मवमम लयं याति उं म वदुम कुम मय उं मुयं  
देवगाउ विगी ॥ उदुहि ॥ मडसु ममकुने विम कुम  
मुठवे वृद्धं ममकुने उं गमु देवि नम मुडी ॥ नभा ५  
मुदिम याप देवडा मडमु उं विमति उदुसवेन मी  
नम वदुगया ॥ नम मकि लय ॥ नम मुडी ॥ नम उदुसवे  
नम उदुगया नम वदुगया नम ममुमदिमे उं नम कुम य  
नम गायत्री ॥ नम देव देवि नम देवी देवि नम देवी देवि